कृषि/कृषि के संबद्ध क्षेत्रों में सफलता की कहानी

कहानी का विषय/शीर्षक – बूंद–बूंद सिंचाई पद्वति से अनार की खेती

1. किसान का नाम – सुनिता हांस्दा

2. पिता/पति का नाम – जोना जोस्वा किस्कु

3. पूरा पता – गाँव/मुहल्ला – वामदह, पो0–वामदह, थाना– वामदह प्रखंड– चकाई, जिला –जमुई (बिहार), पिन कोड– 811303

4. किसान का दूरभाष/मोबाइल सं0– 9546668814

5. किसान के पास खेती योग्य भूमि (हे0 में)– 2 हेक्टेयर

6. सिंचित क्षेत्र (हे0 में)– 1

7. असिंचित क्षेत्र (हे0 में)– 1

8. किसान का प्रकार– कृषक हित समूह

(स्वयं सहायता समूह/कृषक हित समूह/खाद्य सुरक्षा समूह (महिलाओं के लिए)/ किसान उत्पादक संगठन के सदस्य/व्यक्तिगत)

अगर समूह/संगठन के सदस्य हैं तो उल्लेख करें –समूह का नाम – **प्रकाषित जीवन समूह**, निबंधन करने वाली संस्था का नाम– **आत्मा, जमुई।**

9. सफलता की कहानी के पूर्व का संक्षिप्त विवरण (250 शब्दों में) –

(स्वयं अथवा समूह/संगठन के संबंध में जानकारी, पूर्व के क्षेत्र/कार्य एवं आर्थिक स्थिति का विवरण)

सुनिता हांस्दा ग्रामीण महिला किसान है। चकाई प्रखंड के ग्राम–वामदह,, पंचायत – वामदह की रहने वाली सुनिता हांस्दा के परिवार की स्थिति दयनीय थी। आय का एक मात्र श्रोत खेती था, लेकिन जमीन पथरीला और असिंचित होने के कारण खेती भी ठीक प्रकार से नहीं हो पाता था। जिसके कारण दूसरे के खेतो में एवं इधर–उधर मजदूरी भी करना पड़ता था। बचपन में ही शादी के बंधनों में बांध दिये जाने के कारण परिवार की जिम्मेदारी भी निभाना पड़ने लगा।

जमीन असिंचित होने के कारण खेती करने में दिक्कते होती थी। जब वर्षा होती थी तो धान की खेती करता था और जब वर्षा समय पर नहीं होती थी तो घर में भूखमरी की समस्या उत्पन्न हो जाती थी। परिवार के लोग मजदूरी कर के जीवन–यापन करते थे।

सुनिता हांस्दा बचपन में ही युवावस्था की जिम्मेदारी को संभालने लगी तत पश्चात स्वयं की एवं परिवार व समाज की दयनीय स्थिति देखकर बडी दुखी होती थी।समाज में विभिन्न प्रकार की समस्याये देखकर सुनिता जी बड़ी हुयी तथा विभिन्न मुद्दो पर अपनी राय रखने लगी । लोगो की समस्याओं को दूर करने के लिए थाना कचहरी प्रखंड का दौरा करने लगी इस कारण अपने कार्य को भी कभी–कभी बीच में ही छोड़ना पड़ता था। आर्थिक संकट से जूझने के क्रम में विभिन्न संस्थओं से संपर्क साधा, परंतु आशा अनुकूल सफलता नहीं मिली। यहां तक इन्होने खेती छोडने का मन भी बना लिया था, यही क्रम लगातार चल रहा था, लेकिन एक खास बात थी सुनिता हांस्दा में – उम्मीदों में जीने की। यही उम्मीद आगे चलकर रंग दिखाया और सफलता का ललक बढ़ गयी।

10. सफलता की कहानी (500 शब्दों में) –

(किये जाने वाला कार्य के संबंध में शुरू से अंत तक की पूरी जानकारी, उत्पाद कब और कहाँ बेचते हैं तथा तकनीकी एवं वित्तीय सहायता कहाँ से प्राप्त की हैं का पूर्ण विवरण)

सुनिता हांस्दा चकाई प्रखंड के वामदह ग्राम की 30 वर्षीय महिला किसान है, जहाँ चकाई प्रखंड जमुई जिला (बिहार) का सबसे पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है वहीं लोगों की सोच सकारात्मक और सराहनीय है । यहाँ के जमीन पहाड़ी क्षेत्र के वजह से पथरीला उँचा–नीचा है। जहाँ वर्षा का पानी ही एकमात्र सिंचाई का श्रोत है वही विषम परिस्थितियों के होते हुए भी गाँवो के लोग मेहनती है और खेती में अहम भूमिका निभाने में रूची रखते है। इसी परिस्थितियों और समस्याओं के साथ जुझ रहे सुनिता हांस्दा आज से 03 वर्ष पूर्व 2017 ई0 में उस समय के जिला आत्मा के लेखापाल श्री सिकंदर वाजपेयी एवं चकाई प्रखंड में पदस्थापित आत्मा में कार्यरत सहायक तकनीकी प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह से मुलाकात हुई। खेती और कृषि विभाग, आत्मा द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं की जानकारी पर चर्चा हुई और सुनिता हांस्दा और उनके गाँव के लोगों के साथ बैठक की गई।

ग्रामीणों का उत्साह बढ़ाते हुए ब्रजेश कुमार सिंह ने श्री सुनिता हांस्दा के नेतृत्व में आत्मा द्वारा संचालित समूह का गठन किया गया , जिसका नाम प्रकाशित जीवन समूह रखा गया और सुनिता हांस्दा समूह का सदस्य है। फिर क्या उम्मीदों के हिसाब से लोगो को आत्मा और कृषि विभाग के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का सीधा लाभ मिलने लगा। धान की खेती श्री विधि से, गेहूँ की खेती जिरो टिलेज विधि से सुनिता हांस्दा स्वयं करके लोगो को भी प्रोत्साहित करने लगा। देखते–देखते ही पूरे गाँव के किसान ए..टी.एम. ब्रजेश कुमार सिंह से तकनीकी प्रशिक्षण लेने लगा और कृषि उपादान का उठाव होने लगा। कम साघन व संसाधन के द्वारा खेती की जाने लगी और सुनिता हांस्दा जो स्वयं गाँव पलायन कर मजदूरी करने दूसरे प्रदेशो में जाते थे, अब जाना छोड़ दिया। समेकित खेती की और कदम बढ़ाया।

आत्मा जमुई के सहयोग से विभिन्न प्रशिक्षण में भाग लेकर उन्नत खेती का गुर सिखा वही मशरूम प्रशिक्षण प्राप्त कर मशरूम प्रत्यक्षण किया और कई परिभ्रमणो एवं प्रशिक्षणो में जाकर कई विषयो पर जाकर तकनिकी ज्ञान अर्जित किया इस रूची को देखकर आत्मा जमुई के परियोजना निदेशक समूह के उत्थान में रिभालविंग फंड 10000 (दस हजार रूपये) देकर सहयोग किये।

इस फंड का सुनिता हांस्दा ने कृषि उपादान बीज उठाव में सदुपयोग की। धीरे–धीरे इनका मेहनत रंग लाने लगी। इनका साथ समुह के सभी किसान सदस्य बहुत ही सक्रीय भुमिका में कार्य को आगे बढाया, तत् पश्चात इन्हे बुंद–बुंद सिंचाई पद्वति से इनकी बंजर भुमि 2 एकड में अनार की खेती आत्मा द्वारा कराई गई।

सहायक तकनीकी प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह के दिशा निर्देष एवं प्रोत्साहन पाकर लोगो के साथ आत्मा द्वारा आयोजित कृषि मेला, संगोष्ठी, प्रशिक्षण, परिभ्रमण में नियमित भाग लेने लगे और अपने परिवार की जिम्मेदारी को अपने कंधो पर उठाते हुए खेती से आय करने लगी।

वर्ष 2017 में इनके कार्यो को बढाने के उद्देश्य से ब्रजेश कुमार सिंह की पहल पर आत्मा, जमुई आगे आई ए.टी.एम. ब्रजेश कुमार सिंह के दिशा पाकर संयुक्त रूप से समूह में एक नई पहल हुयी। प्रखंड तकनिकी प्रबंधक श्री रितुराज द्वारा वर्तमान में समय–समय पर निरीक्षण किया गया एंव इनके सही दिशा निर्देश किसानों को प्राप्त होता रहा।

अनार बेचने की समस्या का निदान कुछ सकारात्मक सोच रखने वाले महिला पुरूष किसान मिलकर किया और उद्यम स्थापित करने का एक अनूठी पहल की । इस अनूठी पहल की सराहना आस–पास के किसानों , ग्राहको के साथ–साथ बुद्वी जीवी वर्ग कर रहे है वही आत्मा जमुई के परियोजना निदेशक श्री आनंद विक्रम सिंह, उप परियोजना निदेशक श्री मुकुल कुमार, जमुई जिला के जिलाधिकारी महोदय श्री धमेन्द्र कुमार ।

आज सुनिता हांस्दा अनार उत्पादन कर पहचान बनाया और परिवार को चलाकर लाखों में लाभ कमाई भी किया। इनकी उम्मीद, मेहनत और सफलता को देखकर कई किसान इनसे जुडकर जानकारी लेते है। सुनिता हांस्दा ए. टी.एम. ब्रजेश कुमार सिंह को धन्यवाद देते हुए कहते है अगर काम करने की जज्बा हो तो मदद देने हर कोई हाथ बढाता है। कृषि विभाग के किसान सलाहकार सिरील किस्कु आत्मा के प्रखंड तकनिकी प्रबंधक श्री रितु राज, सहायक तकनीकी प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्री अरविंद कुमार रवि, आत्मा के वरीय पदाधिकारीयों , आत्मा कर्मी एवं इनके साथ देने वाले परिवार के सदस्य तथा समूह के सदस्यों को अपना आभार प्रकट करते है।

10.1. किये गये कार्य का 2–3 रंगीन फोटो किसान/समूह के साथ (फोटो को अपलोड करें/आवेदन में चिपकाएँ)

11. सफलता के लिए महत्त्वपूर्ण तत्व/घटक–
(व्यक्तिगत प्रयास/आत्मा से सहयोग/अन्य विभाग से सहयोग)
–व्यक्तिगत प्रयास, आत्मा जमुई, कृषि विभाग चकाई, द्वारा सहयोग।

12. स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच सफलता की कहानी का प्रभाव–

– स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच साकारात्मक प्रभाव पडा, जिससे किसान प्रभावित होकर सुनिता हांस्दा एवं इनके समूह के लोगो तथा आत्मा चकाई कार्यालय से लोग संपर्क शुरू कर तकनीकी जानकारी अनार उत्पादन, मशरूम उत्पादन, एग्जोटिक सब्जी उत्पादन, कडकनाथ मुर्गी पालन एवं इत्यादि प्रशिक्षणो/परिभ्रमणो का लाभ लेना शुरू किया।

13. सफलता की कहानी के लिए प्राप्त पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र–
– आत्मा जमुई के द्वारा

14. क्षेत्रवार लागत मूल्य, प्राप्त आमदनी एवं शुद्ध आय का विवरण (रू0 में) –

क्र0सं0	विवरण	अपनाने के पूर्व का विवरण			अपनाने के बाद का विवरण			
		प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	कुल	प्रक्षेत्र 1	प्रक्षेत्र 2	प्रक्षेत्र 3	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	फसल/क्षेत्र/कार्य का नाम	धान/3 एकड़	गेहूँ/0.5 एकड़	3.5 एकड़	धान/4.5 एकड़	गेहूँ/2 एकड़	मशरूम/अनार 1क्विं स्पान/200 पौधा	6.5 एकड़
2	फसल मौसम में फसल/उत्पाद की मात्रा (क्वीं में)	खरीफ/21 क्विं.	रबी/2 क्विं.	23 क्विं.	52 क्विं.	12 क्विं.	10 क्विं.	74 क्विं.

3	उत्पाद का बिक्री मूल्य दर (रू0 / क्वीं)	1000 / क्विं.	1200 / क्विं.	2200 / क्विं.	1400 / क्विं.	1500 / क्विं.	10000 / क्विं.	12900 / क्विं.
4	फसल मौसम में कुल लागत मूल्य	4000 रू0	1500 रू0	5500 रू0	6000 रू0	4000 रू0	18000 रू0	28000 रू0
5	उपादान का मूल्य (बीज, खाद, कीटनाशी, जुताई–बुआई, सिंचाई, कटाई, दौनी एवं अन्य)	4000 रू0	1500 रू0	5500 रू0	6000 रू0	4000 रू0	18000 रू0	28000 रू0
6	मजदूर खर्च (रू0 में)	1800 रू0	600 रू0	2400 रू0	2200 रू0	2400 रू0	2000 रू0	6600 रू0
7	अन्य लागत खर्च (रू0 में)	00	00	00	00	00	00	00
8	कुल लागत खर्च (रू0 में)	5800 रू0	2100 रू0	7900 रू0	8200 रू0	6400 रू0	20000 रू0	34600 रू0
9	शुद्ध आय / बचत (रू0 में)	15200 रू0	300 रू0	15500 रू0	64600 रू0	11600 रू0	80000 रू0	156200 रू0

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी में सही है। भविष्य में कोई भी सूचना गलत पाये जाने पर मुझे सरकारी अनुदान / लाभ से वंचित किया जा सकता है तथा इसके लिए मैं पूर्ण रूप से जिम्मेवार रहुँगा / रहुँगी।

तिथि –

किसान का हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षर

उप परियोजना निदेशक आत्मा / प्रखंड
तकनिकी प्रबंधक / सहायक तकनिकी
प्रबंधक का नाम एवं हस्ताक्षर

परियोजना निदेशक
आत्मा, जमुई।